

प्रेषक,

राकेश शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

राज्य परियोजना सलाहकार,
राज्य परियोजना सरलीकरण इकाई,
सुद्धोवाला, देहरादून।

प्रशिक्षण एवं तकनीकी शिक्षा अनुभाग

देहरादून: दिनांक: 22 जून 2012

विषय:- वित्तीय वर्ष 2012-13 के लिए केन्द्रीय सहायतित योजना
टीईक्यूआईपी फेस-2 हेतु धनराशि की स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-08/एसपीएफ्यू/2012-13, दिनांक 09.05.2012 तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार के पत्र संख्या-16-21/2011-TS.VII(General) दिनांक 23.03.2012 एवं पत्र संख्या-16-21/2011-TS.VII(SC) दिनांक 23.03.2012 के क्रम में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि श्री राज्यपाल महोदय वित्तीय वर्ष 2012-13 में केन्द्रीय सहायतित योजना टीईक्यूआईपी फेस-2 के अन्तर्गत चयनित गोविन्द बल्लभ पंत इंजीनियरिंग कालेज, पौड़ी हेतु केन्द्रांश के रूप में ₹180.00 लाख तथा राज्यांश के रूप में ₹20.00 लाख अर्थात् कुल ₹200.00 लाख (रुपये दो करोड़ मात्र) की धनराशि निम्नांकित शर्तों के अधीन व्यय करने हेतु आपके निर्वर्तन पर रखने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

1. परियोजना के सफल क्रियान्वयन हेतु राज्य परियोजना सलाहकार द्वारा यह पर्यवेक्षण किया जाता रहेगा कि स्वीकृत की जा रही धनराशि का व्यय Project Implementation Plan (PIP), Development Credit Agreement (DCA) एवं Project Agreement (PA) के अनुसार ही किया जाये और इसकी सूचना समय-समय पर राज्य सरकार, स्टेट स्टीयरिंग कमेटी व नेशनल प्रोजेक्ट इम्प्लीमेंटेशन यूनैटी को उपलब्ध कराई जाती रहेगी।
2. स्वीकृत धनराशि का आहरण/व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली, 2008 एवं समस्त वित्तीय नियमों एवं तद्विषयक शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। जहां व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति आवश्यक हो, वहां ऐसा व्यय सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जायेगा।
3. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग निर्धारित समयान्तर्गत करते हुये प्रत्येक माह की व्यय की गयी धनराशि का विवरण बी.एम.-13 पर प्रत्येक दशा में शासन को उपलब्ध कराया जाएगा।
4. स्वीकृत की जा रही धनराशि को व्यय करते समय भारत सरकार के उपरोक्त पत्र संख्या-16-21/2011-TS.VII(General) दिनांक 23.03.2012 एवं पत्र संख्या-16-21/2011-TS.VII(SC) दिनांक 23.03.2012 के प्रस्तर-3 में उल्लिखित शर्तों एवं अन्य सुसंगत व्यवस्थाओं व प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।

क्रमशः 2.....

5 स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र निर्धारित प्रपत्र पर भारत सरकार एवं शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

2- कुलपति, उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय देहरादून जिनके पास वर्तमान में राज्य परियोजना सलाहकार का दायित्व भी है, को स्वीकृत धनराशि का भुगतान जिलाधिकारी, देहरादून द्वारा बिल प्रति हस्ताक्षरित किये जाने के उपरान्त कोषाधिकारी, देहरादून द्वारा सीधे राज्य परियोजना सलाहकार को किया जायेगा। सम्बन्धित कोषागार बीजक एवं दिनांक की सूचना शासन को उपलब्ध करायी जायेगी।

3- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 के आय-व्यय के अनुदान संख्या-11 के अधीन लेखाशीर्षक-2203-तकनीकी शिक्षा-00-आयोजनागत-800-अन्य व्यय-97-वाह्य सहायतित परियोजनाएँ-9701-प्राविधिक शिक्षा में गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम (80%के0स0)-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-26(P)/XXVII(3)/2012-13, दिनांक 31 मई, 2012 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

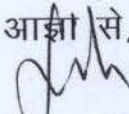
भवदीय

(राकेश शर्मा)
प्रमुख सचिव।

संख्या एवं दिनांक तदैव।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- केन्द्रीय परियोजना सलाहकार, राष्ट्रीय परियोजना कार्यान्वयन एकक, एडसिल हाउस, चतुर्थ तल, 18ए, सेक्टर 16-ए, नोएडा-201301 (उ0प्र0)
- 3- अनु सचिव (प्रबन्धन), मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, कक्ष सं0-433-सी विंग, शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001
- 4- कुलपति, उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, देहरादून।
- 5- निदेशक, प्राविधिक शिक्षा, उत्तराखण्ड, श्रीनगर गढ़वाल।
- 6- जिलाधिकारी, देहरादून/पौड़ी।
- 7- प्राचार्य, जी0बी0पंत इंजीनियरिंग कालेज, घुड़दौड़ी, पौड़ी।
- 8- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून/पौड़ी।
- 9- वित्त नियंत्रक/कुलसचिव, उत्तराखण्ड तकनीकी विश्वविद्यालय, देहरादून।
- 10- वित्त अनुभाग-3/नियोजन अनुभाग।
- 11- बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन निदेशालय, सचिवालय देहरादून।
- 12- एन0आई0सी0 सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 13- गार्ड फाइल।

आज्ञा/से.

(सुनील सिंह)
अनुसचिव।